पी.जी.डी.टी.-01

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013 02692

पी.जी.डी.टी.-01 : अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

1. प्राचीन भारतीय साहित्य के विदेशी भाषाओं में अनुवाद की परंपरा का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

अँग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद की समस्याओं की चर्चा करते हुए उनके समाधान पर सोदाहरण विचार कीजिए।

2. मशीनी अनुवाद का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए मशीनी अनुवाद की प्रमुख प्रविधियों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

अनुवाद के मूल्यांकन की पद्धतियों का विवेचन कीजिए।

3. ***किन्हीं दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 2x10=20

(a) अनुवाद में कोश की उपयोगिता।

(b) सांस्कृतिक विशिष्टताओं का अनुवाद में पुन:सृजन

(c) भावानुवाद

(d) अननुवाधता

4. निम्नलिखित लोकोक्तियों/मुहावरों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 10

(a) A rolling stone gathers no moss

(b) Hunting with hare and running with horse

(c) All that glitters is not gold

(d) Empty vessels make much noise

(e) Living hand to mouth

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 10

(a) अनूद्य सामग्री के सांस्कृतिक संदर्भ को जानने के लिए लोकजीवन की _____ उपयोगी होती है।

(b) कम्प्यूटर से किए जाने वाले अनुवाद को _____ कहते हैं।

(c) अनुवाद में पर्यायवाची कोश का इस्तेमाल एक शब्द के _____ देखने के लिए किया जाता है।

(d) जिस भाषा से अनुवाद किया जाता है उसे _____ कहते हैं।

(e) पुनर्रीक्षक ऊँचे दर्जे का _____ होता है।

अथवा

निम्नलिखित शब्दों को कोशक्रम में लिखिए।

Cave	प्रदाह
Came	प्रदीप
Cake	प्रदाय
Cafe	प्रदेश
Cad	प्रपंच
Cage	प्रदूषण
Car	प्रदोष
Cane	प्रद्योत
Cape	प्रधान
Cease	प्रपात

6. निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 10

The Tis Hazari court on Monday stood witness to an unusual legal battle. A young calf – separated from its mother by MCD some time ago– appeared on its premises to fight for the rights of stray cattle.

The calf's mother, who was also to be produced for recognition before the magistrate, could not be brought by Harveli Gaushala due to "unavoidable" circumstances.

A case of negligence of alarming proportions on part of the Municipal Corporation of Delhi also came to light when complainant Ved Prakash told a city court that more than 45,000 cows have died

after being taken away by the MCD in the name of 'stray cattle' from January 1, 2007 to September 30, 2010.

Through an RTI to MCD, by Prakash, whose cow was taken away on grounds that it was a stray animal, it emerged that out of the 49,874 cows picked up in the last three years, 46,478 have died.

Chief Metropolitan Magistrate Vinod Yadav expressed concern, saying, "The figures are shocking. We cannot leave the animals to die like this. Authorities should take note of the figures and take appropriate action against the ones responsible for this sorry state of affairs as this court cannot do the same."

अथवा

'World population to hit 7 billion by October-end'

PTI - LONDON

The world's population will hit seven billion by the end of October, with five babies being born every second, experts have predicted.

A little over a decade ago, the world's population stood at six billion. But, with five babies being born every second, 78 million people are added to the global community each year. By the end of October, it will reach seven billion, the *Daily Mail* reported.

The population was three billion in 1960 and six billion as recently as 1999. And, according to the United Nations, the next landmark statistic will be eight billion in 2025.

Much of the dramatic increase can be accounted for by the world's poorest nations, which are expected to double their numbers over the next decade. "With the population still growing by about 80 million each year, it's hard not to be alarmed," said Robert *Kunzing*, author of an article entitled '7 Billion' in the *National Geographic* magazine.

"Right now on Earth, water tables are falling, soil is eroding, glaciers are melting, and fish stocks are vanishing. Close to a billion people go hungry each day", he added.

7. निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। 10

(a) हमारे इर्द-गिर्द दुनिया तेजी से बदल रही है। जीवन का कोई क्षेत्र और विश्व का कोई कोना नहीं है जो बदलाव से अछूता रहा हो। पिछले बीस साल में हमने चारों तरफ भारी उथल-पुथल देखी है। भारत में निश्चित ही एक ऐसा वर्ग है जिसे यह बदलाव रास आया है। इस 24 जुलाई को इस वर्ग ने मीडिया के माध्यम से भारत में आर्थिक उदारीकरण की बीसवीं सालगिरह मनाने की एक हास्यास्पद सी कोशिश की। अपने आप में मशगूल

इस वर्ग को लगा कि जो उसके लिए अच्छा है, वही शायद इस देश की एक अरब बीस करोड़ जनता के लिए भी अच्छा ही रहा होगा। अपनी कांक्रीट और ग्लास की मीनारों में बैठे इन लोगों का शेष भारत के साथ अगर कोई रिश्ता कभी था भी, तो आज वह पूरी तरह टूट चूका है।

अथवा

(b) यहाँ बात साहित्य रचना तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। आर्थिक साम्राज्यवाद के इन दो दशकों में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जो परिवर्तन आए हैं क्या उन्हें हिन्दी या अन्य किसी भारतीय भाषा में तरीके से लिपिबद्ध किया गया है? अंग्रेजी में किताबों का अंबार लगा हुआ है। नई आर्थिक गतिविधियाँ, युद्ध, गृहयुद्ध, जातीय और साम्प्रदायिक हिंसा, गैर बराबरी, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन, जलवायु परिवर्तन, विदेशी नीति, नए अंतरराष्ट्रीय समीकरण - इन सब पर पुस्तकों की, शोध ग्रंथों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन हमारी अपनी भाषा में क्या है? अंग्रेजी में, खासकर हॉलीवुड में तो इन परिवर्तनों से जुड़ी हुई फिल्में भी खूब बन रही है। कितनी ही फिल्मी हस्तियाँ, वास्तविक जीवन में भी विद्रोही की भूमिका में नजर आते हैं। परन्तु हॉलीवुड की नकल करने वाले हम इस दिशा में उनसे कुछ भी नहीं सीख पाए।